केर सांगरी को GI टैग प्राप्त

चर्चा में क्यों?

राजस्थान की लोकप्रिय व्यंजन **केर सांगरी** को [भौगोलिक संकेत (GI) टैग](#) मिला है, जो इसे पारंपरिक तरीके से बनाए जाने वाले विशिष्ट क्षेत्रीय उत्पाद के रूप में मान्यता देता है।

मुख्य बिंदु

- **केर सांगरी के बारे में:**
  - केर सांगरी एक **पारंपरिक राजस्थानी व्यंजन है,** जो दो देशी रेगिस्तानी पौधों से बनाया जाता है:
    - **केर** – एक छोटा, जंगली बेरी।
    - **सांगरी** – एक बींस की तरह फलने वाला फल है, जो [खेजड़ी](#) के पेड़ पर उगता है। यह शुष्क क्षेत्रों का स्वदेशी वृक्ष है।
  - ये सामग्री थार के सूखे, रेतीले इलाके में प्राकृतिक रूप से उगती हैं।
  - ऐतिहासिक रूप से, केर **सांगरी सूखे के समय जीवित रहने वाले खाद्य के रूप में विकसित हुई थी,** जब ताज़ी सब्जियाँ उपलब्ध नहीं होती थीं।
  - समय के साथ, यह व्यंजन राजस्थान का लोकप्रिय व्यंजन और सांस्कृतिक प्रतीक बन गया।
  - **खेजड़ी का पेड़**, जिससे सांगरी प्राप्त होती है, **सांस्कृतिक और पारिस्थितिक दृष्टि से** अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।
  - यह [बिश्नोई समुदाय](#) द्वारा पवित्र माना जाता है, जिसने सदियों से इस पेड़ को जीवन और स्थिरता के प्रतीक के रूप में संरक्षित रखा है।
- **केर सांगरी के लिये GI टैग का महत्त्व:**
  - यह इसके **प्रामाणिकता को नकली या घटिया उत्पादों से बचाता है**।
  - यह **स्थानीय किसानों और कारीगरों को उचित सम्मान और पारिश्रमिक दिलाने में सहायक** है।
  - **राजस्थान के अन्य GI-टैग उत्पाद:**
  - राजस्थान अपने समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और हस्तकला के लिये कई **GI टैग प्राप्त उत्पादों** के लिये प्रसिद्ध है। इनमें प्रमुख हैं: **सोजत मेहंदी, बीकानेरी भुजिया, [कोटा डोरिया](#), जयपुर की ब्लू पॉटरी, मोलेला माटी के काम, [राजस्थान की कठपुतलियाँ](#), सांगानेरी हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग, बागरू हैंड ब्लॉक प्रिंट, थेवा कला, पोकरण मिट्टी के बर्तन, नाथद्वारा पिचवाई चित्रकला, उदयपुर की कोफ्तगारी धातु कला, बीकानेर कशीदाकारी, जोधपुर बंदेज कारीगरी, बीकानेर उस्ताद कला और [मकराना संगमरमर](#)।**

भौगोलिक संकेतक (GI) टैग

- **परिचय:**
  - भौगोलिक संकेत (GI) टैग, एक ऐसा **नाम या चिह्न** है जिसका **उपयोग उन विशेष उत्पादों पर किया जाता है** जो किसी विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल से संबंधित होते हैं।
  - GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि केवल **अधिकृत उपयोगकर्त्ताओं या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों** को ही लोकप्रिय उत्पाद के नाम का उपयोग करने की अनुमति है।
    - यह उत्पाद को दूसरों द्वारा नकल या अनुकरण किये जाने से भी बचाता है।
  - एक पंजीकृत GI टैग **10 वर्षों के लिये वैध** होता है।
  - GI पंजीकरण की देखरेख वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के अधीन **उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग** द्वारा की जाती है।
- **विधिक ढाँचा:**
  - [वस्तुओं का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999](#)
  - [बौद्धिक संपदा अधिकार](#) **के व्यापार-संबंधित पहलुओं (TRIPS) पर WTO समझौते** द्वारा विनियमित एवं निर्देशित है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ker-sangri-received-gi-tag